P-1103

Total Pages : 3 Roll No. .....

PJ-102

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ)

1st Sem./1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. मेष, सिंह, धनु राशियों का स्वरूपादि शुभाशुभ फल प्रतिपादित कीजिए।

2. पंचमहापुरुष योगों को विस्तारपूर्वक लिखिए।

3. बृहस्पति द्वारा बनने वाले अरिष्टभंग योग का वर्णन कीजिए।

4. द्वादशभावों का परिचय देते हुए नवम भाव की समीक्षा कीजिए।

5. लग्नेश के द्वादश भाव में फल की समीक्षा कीजिए।

अथवा

ज्योतिषशास्त्र में प्रतिपादित विषयों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. ग्रहों की अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

2. पंचधामैत्री का वर्णन कीजिए।

3. अनफा रोग निर्माण विधि को समझाइए।

4. नवग्रहों की महादशा की अवधि बताएं।

5. लक्ष्मीयोग का निर्माण किस प्रकार होता है, वर्णन कीजिए।

6. नक्षत्रों का परिचय एवं संज्ञाओं का वर्णन कीजिए।

7. ग्रहों के गुण धर्म का वर्णन कीजिए।

8. चर एवं स्थिर राशियों के गुणधर्म को बतलाइए।